

# विषय-सूची

## भाग एक

### मूल धारणाएं (Basic Concepts)

#### इकाई I

#### 1. समष्टि अर्थशास्त्र की प्रकृति तथा क्षेत्र

##### (Nature and Scope of Macro Economics)

समष्टि अर्थशास्त्र का अर्थ; समष्टि अर्थशास्त्र की मुख्य विशेषताएं; समष्टि अर्थशास्त्र की मान्यताएं; समष्टि अर्थशास्त्र के उपयोग या महत्त्व; समष्टि अर्थशास्त्र का क्षेत्र; समष्टि अर्थशास्त्र की सीमाएं; व्यक्ति अर्थशास्त्र और समष्टि अर्थशास्त्र में भेद; दोनों मार्गों के परस्पर संबंध तथा एकीकरण की समस्याएं; प्रश्न

#### 2. राष्ट्रीय आय की धारणाएं एवं माप

##### (Concepts and Measurement of National Income)

प्रस्तावना, राष्ट्रीय आय की धारणाएं एवं माप की विधियां; राष्ट्रीय आय के माप में कठिनाइयां या सीमाएं; विकासशील अर्थव्यवस्था में राष्ट्रीय आय मापने की समस्याएं; राष्ट्रीय आय विश्लेषण का महत्त्व; राष्ट्रीय आय की धारणाओं में परस्पर संबंध; कुछ समस्याओं के हल; प्रश्न

#### 3. भारत की राष्ट्रीय आय

##### (National Income of India)

प्रस्तावना; भारत में राष्ट्रीय आय मापने की वर्तमान विधियां; भारत में राष्ट्रीय आय मापने की समस्याएं; भारतीय राष्ट्रीय आय में अंतरक्षेत्रीय भिन्नताएं; राष्ट्रीय आय में अंतरक्षेत्रीय भिन्नताओं के कारण; भारत में राष्ट्रीय आय और प्रति व्यक्ति आय की प्रवृत्तियां; भारत में राष्ट्रीय आय एवं प्रति व्यक्ति आय की दर कम होने के कारण; भारत की राष्ट्रीय और प्रति व्यक्ति आय को बढ़ाने के सुझाव; भारत की राष्ट्रीय आय की क्षेत्रीय रचना; भारत की राष्ट्रीय आय की मुख्य विशेषताएं; प्रश्न

#### 4. आय और व्यय का चक्रीय प्रवाह

##### (The Circular Flow of Income and Expenditure)

अर्थ; घरेलू और व्यवसाय क्षेत्रों के बीच आय और व्यय का चक्रीय प्रवाह; बचत और निवेशयुक्त आय का चक्रीय प्रवाह; त्रि-क्षेत्रीय अर्थव्यवस्था या सरकारी क्षेत्र युक्त आय का चक्रीय प्रवाह; विदेशी क्षेत्र युक्त आय और व्यय या चार-क्षेत्रीय चक्रीय प्रवाह; चक्रीय प्रवाह का महत्त्व; प्रश्न।

5. रोजगार का क्लासिकी सिद्धांत  
(Classical Theory of Employment)  
रोजगार का क्लासिकी सिद्धांत; पूर्ण क्लासिकी मॉडल का सारांश; केन्ज द्वारा क्लासिकी सिद्धांत की आलोचनाएं; प्रश्न
6. 'से' का बाजार नियम  
(Say's Law of Market)  
'से' का नियम; 'से' के नियम की प्रस्थापनाएं और उसमें निहितार्थ; 'से' के नियम की आलोचनाएं; प्रश्न
7. रोजगार का केन्जीय सिद्धांत  
(Keynesian Theory of Employment)  
प्रस्तावना; केन्ज का रोजगार सिद्धांत; रोजगार का केन्जीय सिद्धांत; पूर्ण मॉडल; केन्ज के रोजगार सिद्धांत की आलोचनाएं; रोजगार के क्लासिकी और केन्जीय सिद्धांतों की तुलना; कुछ महत्वपूर्ण धारणाओं की व्याख्या; प्रश्न
8. व्यापार-चक्रों की प्रकृति एवं सिद्धान्त  
(Nature of Trade Cycles and Theories)  
अर्थ; चक्रों के प्रकार; व्यापार-चक्र की अवस्थाएँ; व्यापार-चक्र सम्बन्धी सिद्धान्त: हाट्टे का मुद्रा सिद्धान्त; हेक का मौद्रिक अति-निवेश सिद्धान्त; शूम्पीटर का नव-प्रवर्तन सिद्धान्त; केन्ज का व्यापार चक्र सिद्धान्त; फ्रीडमैन का व्यापार चक्र सिद्धान्त; सैम्यूलसन का व्यापार चक्र मॉडल; हिक्स व्यापार चक्र सिद्धान्त; कालडर का व्यापार चक्र सिद्धान्त; स्थिरिकरण नीतियाँ या व्यापार-चक्रों को नियंत्रित करने के उपाय; प्रश्न।

## इकाई II

9. मुद्रा की मांग  
(The Demand for Money)  
भूमिका; क्लासिकी मत; केन्जीय मत; तरलता अधिमान; फ्रीडमैन का मुद्रा का मांग सिद्धांत; फ्रीडमैन तथा केन्ज के मुद्रा मांग सिद्धांतों में अन्तर; प्रश्न
10. मुद्रा की पूर्ति  
(The Supply of Money)  
मुद्रा पूर्ति की परिभाषा; मुद्रा पूर्ति के निर्धारक; भारत में मुद्रा पूर्ति के माप या घटक; प्रश्न
11. मुद्रा का परिमाण सिद्धांत  
(Quantity Theory of Money)  
मुद्रा के मूल्य का अर्थ; फिशर का नकदी लेन-देन सिद्धांत; नकदी शेष केम्ब्रिज सिद्धांत या समीकरण; लेन-देन सिद्धांत बनाम नकदी शेष सिद्धांत; नकदी शेष सिद्धांत की लेन-देन सिद्धांत पर श्रेष्ठता; प्रश्न।
12. मुद्रा का केन्जीय सिद्धांत  
(Keynesian Theory of Money)  
केन्ज द्वारा पुनः व्यवस्थापित मुद्रा का परिमाण सिद्धांत; परंपरागत मुद्रा के परिमाण सिद्धांत पर केन्जीय सिद्धांत की श्रेष्ठता; केन्ज के मुद्रा और कीमत सिद्धांत की आलोचनाएं; प्रश्न

13. स्फीति

**(Inflation)**

स्फीति का अर्थ; स्फीति अंतराल; मांगजन्य अथवा स्फीति का मौद्रिक सिद्धांत; लागतजन्य स्फीति का सिद्धांत; स्फीति के कारण; विकसित देशों में स्फीति रोकने के उपाय; स्फीति के प्रभाव; गतिहीन स्फीति; फिलिप्स वक्र: बरोजगार एवं स्फीति में संबंध; प्रश्न

14. मुद्रा का आय-व्यय सिद्धान्त

**(Income-Expenditure Theory of Money)**

भूमिका; आय-व्यय दृष्टिकोण; बचत-निवेश दृष्टिकोण; आय-व्यय (अथवा बचत-निवेश) सिद्धान्त की परिमाण सिद्धान्त पर श्रेष्ठता; प्रश्न।

इकाई III

15. वाणिज्यिक बैंकों का संगठन और ढांचा

**(Organisation and Structure of Commercial Banking)**

भूमिका; यूनिट बैंकिंग; शाखा बैंकिंग; समूह बैंकिंग; श्रृंखला बैंकिंग; मिश्रित बैंकिंग; सहसंबंधी बैंकिंग; प्रश्न।

16. वाणिज्यिक बैंकों द्वारा साख निर्माण

**(Credit Creation by Commercial Banks)**

क्या बैंक साख निर्माण करते हैं ?; साख निर्माण की प्रक्रिया; बैंकों की साख निर्माण की सीमाएं; प्रश्न

17. केन्द्रीय बैंकिंग: कार्य एवं साख-नियंत्रण

**(Central Banking: Functions and Credit Control)**

भूमिका; केन्द्रीय बैंक की परिभाषा; केन्द्रीय बैंक के कार्य; साख नियंत्रण; साख नियंत्रण के तरीके; कमर्शियल बैंकों तथा केन्द्रीय बैंक में संबंध; विकासशील अर्थव्यवस्था में केन्द्रीय बैंक की भूमिका; प्रश्न।

18. गैर-बैंक वित्तीय मध्यस्थ

**(Non-Bank Financial Intermediaries)**

अर्थ; गैर-बैंक वित्तीय मध्यस्थों का कार्यभाग; गैर-बैंक वित्तीय मध्यस्थ तथा मौद्रिक नीति; गुर्ले-शां थीसिस; बैंक तथा गैर-बैंक वित्तीय मध्यस्थों में अन्तर; प्रश्न

19. भारतीय मुद्रा बाजार

**(Indian Money Market)**

अर्थ; भारतीय मुद्रा बाजार का स्वरूप; भारतीय मुद्रा बाजार के कार्य अथवा मुद्रा बाजार का महत्व; भारतीय मुद्रा बाजार के संघटक; भारतीय मुद्रा बाजार के दोष; भारतीय मुद्रा बाजार में सुधार करने के सुझाव; प्रश्न।

20. वित्तीय बाजार: मुद्रा एवं पूंजी बाजार

**(Financial Markets: Money and Capital Market)**

वित्तीय बाजार; अर्थ; वर्गीकरण; वित्तीय बाजार की संस्थाएँ; वित्तीय बाजारों की कुशलता; वित्तीय बाजारों के कार्य; उनका कार्यकरण; वित्तीय बाजारों की आर्थिक विकास में भूमिका; मुद्रा बाजार; पूंजी बाजार; मुद्रा और पूंजी बाजार में अन्तर; मुद्रा और पूंजी बाजार में परस्पर संबंध; प्रश्न

21. **भारत की वर्तमान मौद्रिक प्रणाली**  
( **Present Monetary System of India** )  
प्रस्तावना; भारत की वर्तमान मौद्रिक प्रणाली; भारतीय करेन्सी प्रणाली का संक्षिप्त इतिहास; प्रश्न।

#### इकाई IV

22. **विनिमय दर**  
( **Exchange Rate** )  
विनिमय दर का अर्थ; विनिमय दर के सिद्धांत; विनिमय दर में परिवर्तन के कारण; स्थिर तथा लोचदार विनिमय दरें; प्रश्न।
23. **अन्तर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष**  
( **The International Monetary Fund** )  
प्रस्तावना; कोष के उद्देश्य; कोष के कार्य; कोष का संगठन एवं ढांचा; कोष का कार्यकरण; सुधार के सुझाव; मुद्रा कोष में स्वर्ण की भूमिका; भारत तथा मुद्रा कोष; विशेष आहरण अधिकार; प्रश्न।
24. **विश्व बैंक**  
( **The World Bank** )  
कार्य; सदस्यता; संगठन; पूंजी संरचना; निधीयन; कूटनीति; उधार लेने तथा उधार देने की क्रियाएं; अन्य सक्रियताएँ; समीक्षात्मक मूल्यांकन; भारत तथा विश्व बैंक; प्रश्न।
25. **विनिमय नियंत्रण**  
( **Exchange Controls** )  
अर्थ; विशेषताएँ; विनिमय नियंत्रण के उद्देश्य; विनिमय नियंत्रण के तरीके; विनिमय नियंत्रण के गुण और दोष; प्रश्न।